न्यूज डायरी

वुहान की लैब में बना था कोरोना वायरस अमेरिका भागीं साइंटिस्ट के पास हैं सबूत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। कोरोना वायरस की महामारी को लेकर चीन पर साजिश का आरोप लगता रहा है। अब चीन की ही एक मशहूर वायरॉलजिस्ट ने कहा है कि वह इसके सबूत भी पेश करेंगी और साबित करेंगी कि वायरस इंसानों का बनाया था। हॉन्ग–कॉन्ग स्कूल चीन की वायरॉलजिस्ट डॉ. ली–मेंग यान ने दावा किया है कि पेइचिंग को कोरोना वायरस के बारे में तब ही पता चल गया था महामारी फैलना शुरू नहीं हुआ था। यह दावा करने के बाद से वह अपनी जान बचाकर भागने को मजबूर हैं। हाल ही में वह Loose Women पर आईं और दावा किया कि चीन की सरकार ने सरकारी डेटाबेस से उनकी सारी जानकारी हटा दी है। डॉ. यान ने दावा किया है कि वुहान मार्केट में कोविड–19 शुरू होने की खबरें छलावा हैं। उन्होंने दावा किया है कि वह एक रिपोर्ट पब्लिश करने वाली हैं जिसमें वायरस के इंसानों के हाथों बनाए जाने के सबूत हैं। डॉ. यान अपनी जान बाने के लिए अमेरिका चली गई हैं।

कराची में भड़का शिया विरोधी आंदोलन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराची। पाकिस्तान के कराची में हजारों लोग शिया–विरोधी प्रदर्शन के लिए सड़कों पर उतर आए। इसके साथ ही देश में दंगों की आशंका पैदा होने लगी है। सोशल मीडिया पर पहले से ही प्रदर्शन की चर्चा तेज है। लोग पोस्ट, फोटो और वीडियो शेयर कर रहे हैं। इस दौरान शिया काफिर हैंश के नारे बुलंद किए जा रहे हैं और आतंकी संगठन सिपाह–ए–सहाबा पाकिस्तान के बैनर लहराए जा रहे हैं। संगठन शियाओं की हत्या के लिए ही कुख्यात है। शिया नेताओं के टीवी पर इस्लाम के खिलाफ बयान दिया था। इसके बाद से विरोध प्रदर्शन जारी हैं। सोशल मीडिया पर #ShieGenocide भी ट्रेंड कर रहा है। आफरीन नाम की ऐक्टिविस्ट के मुताबिक शिया मुसलमानों को धार्मिक शास्त्र पढ़ने के लिए और मुहर्रम शुरू होने पर आशूरा में हिस्सा लेने के लिए हमला किया जाता है। आफरीन ने कहा है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान शिया मुस्लिमों के खिलाफ नफरत का समर्थन करने के लिए जिम्मेदार हैं।

दोहा शांति वार्ता से अफगानिस्तान में खत्म हो सकेगा युद्ध

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अफगानिस्तान की निर्वाचित सरकार और तालिबान के बीच ऐतिहासिक शांति वार्ता से पहले अमेरिका के एक शीर्ष राजनयिक ने उम्मीद जताई कि अफगानिस्तान में लंबे समय से चल रहे युद्ध को खत्म करने की खातिर राजनीतिक खाका तैयार के लिए दोनों धड़े एक समझौते पर सहमत होंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो दोहा वार्ता आरंभ होने के दौरान मौजूद रहेंगे और वह दोहा के लिए रवाना भी हो चुके हैं। अफगान सुलह प्रक्रिया के संबंध में अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि जे खलीलजाद ने कहा, ''बीते 40 साल में पहली बार अफगान लोग साथ में बैठेंगे, सरकारी प्रतिनिधिमंडल में ऐसे लोग होंगे जो सरकार का हिस्सा नहीं हैं, चार जानी मानी महिलाएं होंगी, नागरिक समाज, राजनीतिक समूह आदि सभी तालिबान के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठेंगे और चर्चा करेंगे।''

ट्रंप को बड़ी सफलता, अब बहरीन ने दी इजरायल को मान्यता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रियाद। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पश्चिम एशिया में शांति लाने के प्रयास रंग लाते दिख रहे हैं। संयुक्ध्त अरब अमीरात के बाद बहरीन ने भी इजरायल को मान्यता देने और संबंधों को सामान्य बनाने पर अपनी सहमति दे दी है। ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि उन्होंने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और बहरीन के शाह हमद बिन अल खलीफा के साथ बात की है। इस बातचीत के बाद तीनों नेताओं ने एक 6 पैराग्राफ का संयुक्त बयान जारी किया है जिसमें इस डील का ऐलान किया गया। बहरीन–इजरायल डील के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्वीट किया, श्आज एक और ऐतिहासिक सफलता। दोनों देशों के बीच इस डील का ऐलान अमेरिका पर 11 सितंबर को हुए आतंकी हमले के 19 साल पूरे होने के दिन किया गया।

अमेरिका और रूस के बीच गहराता जा रहा है तनाव

तनाव

■रूस को चौतरफा घेरने में जुटा अमेरिका

सीमा पर तैनात कर रहा परमाणु बॉम्बर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मास्को। अमेरिका और रूस के बीच तनाव गहराता जा रहा है। पिछले कुछ महीनों से दोनों ही देश एक–दूसरे के एयरस्प्पेस के पास लगातार फाइटर जेट भेज रहे हैं। उधर, अमेरिका ने पूर्वी और पश्चिमी दोनों ही तरफ रूसी सीमा के पास परमाणु बॉम्बर तैनात कर दिया है जिससे दोनों के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। रूस को यह डर सता रहा है कि नाटो के साथ मिलकर अमेरिका उसके ऊपर हमले की तैयारी कर रहा है। अमेरिका ने रूस के पूर्वी और पश्चिमी दोनों ही हिस्सों की ओर बॉम्बर भेजकर अपना दबाव तेज कर दिया है। इस बीच विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका अपने फाइटर जेट को भेजकर हमला करने के लिए रूसी ठिकानों की पहचान कर रहा है। रूसी सीमा पर अमेरिकी जासूसी

विमानों की बढ़ती संख्या से भड़के रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू ने कहा कि आकाश में अमेरिकी गतिविधि खतरनाक है।

रूसी रक्षा मंत्री की चेतावनी के बाद भी अमेरिकी बॉम्बर्स का रूसी सीमा के पास गश्त लगाना जारी है। गुरुवार को ही अमेरिकी वायुसेना ने अपना परमाणु बॉम्बर B–1 लांसर बॉम्बर पूर्वी साइबेरियाई समुद्र में भेजा। रूस और अमेरिका के बीच Black Sea में भी तनाव गहराता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिका के 3 B–52 बॉम्बर्स दिखने पर रूस ने अपने 8 फाइटर जेट उन्हें इंटरसेप्ट करने को लगा दिए।

रूस के राष्ट्रीय डिफेंस कंट्रोल सेंटर ने शुक्रवार को बताया कि रूस के रेडार ने 3B–52N बॉम्बर्स को डिटेक्ट किया। ये रूस के एयरस्पेस में दाखिल हुए थे। मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया, 4Su–27 फाइटर जेट और 4Su–30 फाइटर जेट अमेरिकी वायुसेना के एयरक्राफ्ट को इंटरसेप्ट करने के लिए लगाए गए। ये जेट ठसंबा ैमं और Sea of Azov में देखे गए थे।श यह जानकारी भी दी गई कि अमेरिका के जहाजों के सीमा पीछे हटने के बाद रूस के जेट भी लौट आए। दावा किया गया है कि अमेरिका के एयरक्राफ्ट को रूस की सीमा में दाखिल होने नहीं दिया गया।

यूएस-यूक्रेन ने की ट्रेनिंगः वहीं, अमेरिका के यूरोपियन कमांड ने जानकारी दी कि 3 अमेरिकी वायुसेना के बी–52 जेट्स ने यूक्रेन के फाइटर्स के साथ यूक्रेन के एयरस्पेस में ट्रेनिंग की थी। इससे पहले नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड ने F–22 फाइटर एयरक्राफ्ट लॉन्च किए। तीन समूहों में दो–दो Tu–142 रूसी समुद्र पट्रोल एयरक्रफ्ट को इंटरसेप्ट करने के लिए इन्हें लॉन्च किया गया।

लद्दाख में झटके से तिलमिलाए शी जिनपिंग, ले सकते हैं ऐक्शन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। लद्दाख में भारत और चीन की सेना के बीच तनातनी पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं। चीनी दादागिरी के खिलाफ भारतीय सेना के जोरदार जवाबी कार्रवाई की अब अमेरिकी मीडिया में भी प्रशंसा हो रही है। प्रतिष्ठित अमेरिकी पत्रिका न्यूज वीक में चर्चित स्तंभकार गॉर्डन जी चांग ने कहा कि भारत ने चीनी सेना को जोरदार पटखनी दी है और अब हमें शी जिनपिंग के अगले कदम की ओर नजर रखना होगा।

गॉर्डन ने कहा कि चीन का क्रूर सफाई अभियान अब आने वाला है। शी जिनपिंग पहले ही श्सुधारश अभियान चला रहे हैं और अपने विरोधियों को दंडित करने में जुटे हुए हैं। हालांकि भारतीय सेना के जवाबी कार्रवाई अब शी जिनपिंग का भविष्य खतरे में पड़ता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि लद्दाख में घुसपैठ की यह पूरी योजना शी जिनपिंग और उनकी सेना ने बनाई थी लेकिन यह बुरी तरह से फ्लाप रही है।

उन्होंने कहा कि इस असफलता के बाद अब शी जिनपिंग सेना में अपने विरोधियों पर गाज गिराएंगे और उनकी जगह अपने समर्थक लाएंगे। सबसे महत्व्वपूर्ण बात यह है कि चीन की तीनों सेनाओं के प्रमुख शी जिनपिंग भारत के खिलाफ एक और आक्रामक कार्रवाई कर सकते हैं।

फ्रांस के अखबार शार्ली एब्दो को अल–कायदा की धमकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेरिस। अल–कायदा ने फ्रांस के अखबार शार्ली एब्दो को एक बार फिर 2015 जैसा हमला करने की धमकी दी है। दरअसल, इस हमले की सुनवाई शुरू होने पर अखबार ने पैगंबर मोहम्मद का वही कार्टून छापा था, जिससे गुस्साकर पहला हमला किया गया था। अलकायदा ने फ्रांस के राष्ट्रपति इम्मैन्युअल मैक्रों को भी निशाने पर लिया है। अल–कायदा ने अपने प्रकाशन वन उम्माह में धमकी दी है कि अगर शार्ली एब्दो को लगा कि 2015 अकेला हमला था, तो यह उसकी भूल है। अल–कायदा ने अमेरिका में हुए 9/11 के हमले की सालाना बरसी पर यह एडिशन छापा था। आतंकी संगठन ने धमकी दी है कि वह फ्रांस के राष्ट्रपति इम्मैन्युअल मैक्रों को वही संदेश देगा जो फ्रांकोइस ओलांद को दिया था।

अफगान सरकार–तालिबान में शुरू हुई ऐतिहासिक वार्ता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दुबई। अफगानिस्तान के विरोधी खेमे दशकों के संघर्ष के बाद दीर्घकालिक शांति के मकसद से शनिवार को लंबे समय से अपेक्षित वार्ता शुरू हो गई है। इस वार्ता की सफलता से अमेरिका और नाटो सैनिकों की करीब 19 साल के बाद अफगानिस्तान से वापसी का रास्ता साफ होगा। खाड़ी देश कतर में बातचीत शुरू हो गई है जहां अफगानिस्तान तालिबान के आतंकवादियों का राजनीतिक दफ्तर है।

यह बातचीत नवंबर में अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले ट्रंप प्रशासन द्वारा संचालित अनेक कूटनीतिक गतिविधियों में एक है।

अफगानिस्तान की आंतरिक वार्ता की शनिवार को शुरुआत के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो भी मौजूद हैं। इससे पहले दो खाड़ी देशों–बहरीन ने शुक्रवार को तथा संयुक्त अरब अमीरात ने इस महीने की शुरुआत में अमेरिका की मध्यस्थता में इजराइल को मान्यता दी थी।

दोहा में हो रही रही वार्ता में अफगान सरकार द्वारा नियुक्त वार्ताकार और तालिबान का 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भाग ले रहे हैं। वार्ता की औपचारिक शुरुआत के बाद दोनों पक्ष कठिन मुद्दों को सुलझाने का प्रयास करेंगे।

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अधिकारियों को मरवाया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने अपने पांच आर्थिक मंत्रालय के 5 कर्मचारियों को गोली से उड़ा दिया है। इन लोगों की गलती इतनी थी कि इन्होंने तानाशाह किम जोंग उन की नीतियों की आलोचना की थी। माना जा रहा है कि किम जोंग के फायरिंग स्क्वॉड ने कम्युनिस्ट पार्टी के इन अधिकारियों को गोली मारी है। इन अधिकारियों ने एक पार्टी के दौरान देश की अर्थव्यवस्था पर चर्चा करते हुए औद्योगिक बदलावों की जरूरत बताई थी। माना जा रहा है कि यह घटना 30 जुलाई की है। इन अधिकारियों ने सरकार की आर्थिक नीतियों की आलोचना की थी और कहा थी कि इनकी वजह से उत्तर कोरिया दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक हो गया है। इन अधिकारियों की बातचीत किम जोंग तक पहुंची तो उन्हें मीटिंग के लिए बुलाया गया और फिर सीक्रेट पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इन अधिकारियों ने देश के लिए जरूरी विदेशी सहयोग की चर्चा की थी। इसकी जानकारी मिलने पर किम जोंग ने जांच कराई। फिर मीटिंग के लिए बुलाकर आलोचना करने की बात कबूल कराई गई और फिर गोली मार दी गई।